निदेशक का कार्यालय
प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान, पथ निर्माण विभाग, बिहार

पत्रांकः– परी० एवं शो० सं०:– 04/2017– पटना, दिनांकः–

प्रेषक,

निदेशक,
प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान,
पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

सेवा में,

सभी अधीक्षण अभियंता, कार्य अंचल (रा०उ०प० सहित),
सभी कार्यपालक अभियंता, कार्य प्रमंडल (रा०उ०प० सहित),
पथ निर्माण विभाग।

विषयः– **गुण नियंत्रण प्रयोगशाला की क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के संबंध में।**

प्रसंगः–
1. उप निदेशक, परीक्षण एवं शोध संस्थान का पत्रांक– 197 दिनांक– 27.04.2018
2. निदेशक, प्रशि०, परी० एवं शोध संस्थान का पत्रांक– 140 दिनांक– 21.03.2018
3. निदेशक, प्रशि०, परी० एवं शोध संस्थान का पत्रांक– 132 दिनांक– 01.03.2018
4. निदेशक, प्रशि०, परी० एवं शोध संस्थान का पत्रांक– 483 दिनांक– 11.09.2017
5. निदेशक, प्रशि०, परी० एवं शोध संस्थान का पत्रांक– 472 दिनांक– 22.06.2017
6. विभागीय पत्रांक– 2882 (एस०) दिनांक– 27.03.2017
7. विभागीय पत्रांक– 2828 (एस०) दिनांक– 27.03.2017
8. निदेशक, प्रशि०, परी० एवं शोध संस्थान का पत्रांक– 214 दिनांक– 03.03.2017

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्रों के द्वारा अंचल/प्रमंडल में अवस्थित गुण नियंत्रण प्रयोगशालाओं की क्रियाशीलता सुनिश्चित करने हेतु उपर वर्णित पत्रों के माध्यम से बार–बार निदेश/अनुरोध किया जा चुका है। पथ निर्माण विभाग के अधीन अंचल/प्रमंडल एवं कार्यस्थल पर संवेदक द्वारा स्थापित गुण नियंत्रण प्रयोगशाला के द्वारा चल रहे कार्यों की गुणवत्ता जाँच MORT&H के विशिष्टियों के अनुरूप करना अनिवार्य है ताकि हर–हाल में कार्यों में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित किया जा सके। चल रहे कार्यों के प्रारंभिक अवस्था में ही विशिष्टियों के अनुरूप जाँच कार्य के द्वारा उच्च गुणवत्ता स्थापित किया जा सकता है। इसके लिए अंचल/प्रमंडल एवं कार्यस्थल पर संवेदक द्वारा स्थापित गुण नियंत्रण प्रयोगशाला को सभी आवश्यक मशीन, उपकरण एवं रसायन की उपलब्धता के साथ Working Mode में रखना अतिआवश्यक है। हर हालत में कार्यों की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु विभागीय साप्ताहिक समीक्षात्मक बैठक में काफी कठोर निदेश प्राप्त हो रहा है। दिनांक– 16.05.2018 को विभागीय साप्ताहिक समीक्षात्मक बैठक में प्रधान सचिव महोदय, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना द्वारा अंचलों/प्रमंडलों एवं कार्यस्थल पर संवेदक द्वारा स्थापित गुण नियंत्रण प्रयोगशाला की अद्यतन स्थिति से संबंधित विस्तृत प्रतिवेदन प्राप्त करने के संबंध में पृच्छा की गई तथा क्षोभ व्यक्त करते हुए सख्त निदेश प्राप्त हुआ है। साथ ही सभी उड़नदस्ता प्रमंडलों को क्षेत्र भ्रमण के दौरान अंचल/प्रमंडल एवं कार्यस्थल पर संवेदक द्वारा स्थापित गुण नियंत्रण प्रयोगशाला का निरीक्षण करने का भी सख्त निदेश प्राप्त हुआ है।

दिनांक– 16.05.2018 को विभागीय साप्ताहिक समीक्षात्मक बैठक में प्रधान सचिव महोदय से प्राप्त निदेश के आलोक में पुनः अनुरोध है कि प्रत्येक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला की क्रियाशीलता एवं नियमित मासिक जाँच करने के संबंध में प्रतिवेदन निदेशक, प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान/उप निदेशक, परीक्षण एवं शोध संस्थान को 10 (दस) दिनों के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय। प्रतिवेदन में प्रत्येक प्रयोगशाला के प्रभारी का नाम एवं मोवाईल नं० के साथ इस आशय का प्रमाण–पत्र भी दिया जाय कि प्रयोगशाला क्रियाशील है एवं चल रहे कार्यों की गुणवत्ता जाँच नियमित रूप से की जाती है। समयाधीन प्रतिवेदन प्राप्त नहीं होने की स्थिति में आप सभी जिम्मवार होगें एवं आपके विरूद्ध आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु प्रधान सचिव, महोदय को अवगत करा दिया जायेगा।

कृपया इसे शीर्ष प्राथमिकता दी जाय।

विश्वासभाजन
ह०/–
निदेशक,
प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान,
पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

कृ०पृ०उ०

ज्ञापांकः— परी० एवं शो० सं०—04/2017— 236,   पटना, दिनांक— 17/05/2018

प्रतिलिपिः— अधीक्षण अभियंता (अनुश्रवण), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को विभागीय वेवसाईट पर अपलोड करने हेतु समर्पित।

17/05/2018

निदेशक,
प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान,
पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

17.05.18

D:\office data\TRI folder by Deepak\New Doc. Files\Randhir Sir Time Data/90